रॉबर्ट गोडार्ड

Robert Goddard

Lola M.

रॉबर्ट गोडार्ड

लोला एम.

Robert Goddard

by Lola M.

रॉबर्ट गोडार्ड का जन्म 1882 में मैसाचुसेट्स में हुआ था. वह एक फार्म पर बड़े हुए थे. फार्म मशीनों और अन्य उपकरणों को देखकर उन्होंने सोचा कि वे कैसे काम करते होंगे.

Robert Goddard was born in Massachusetts in 1882. He grew up on a farm. He wondered how machines and other things worked.

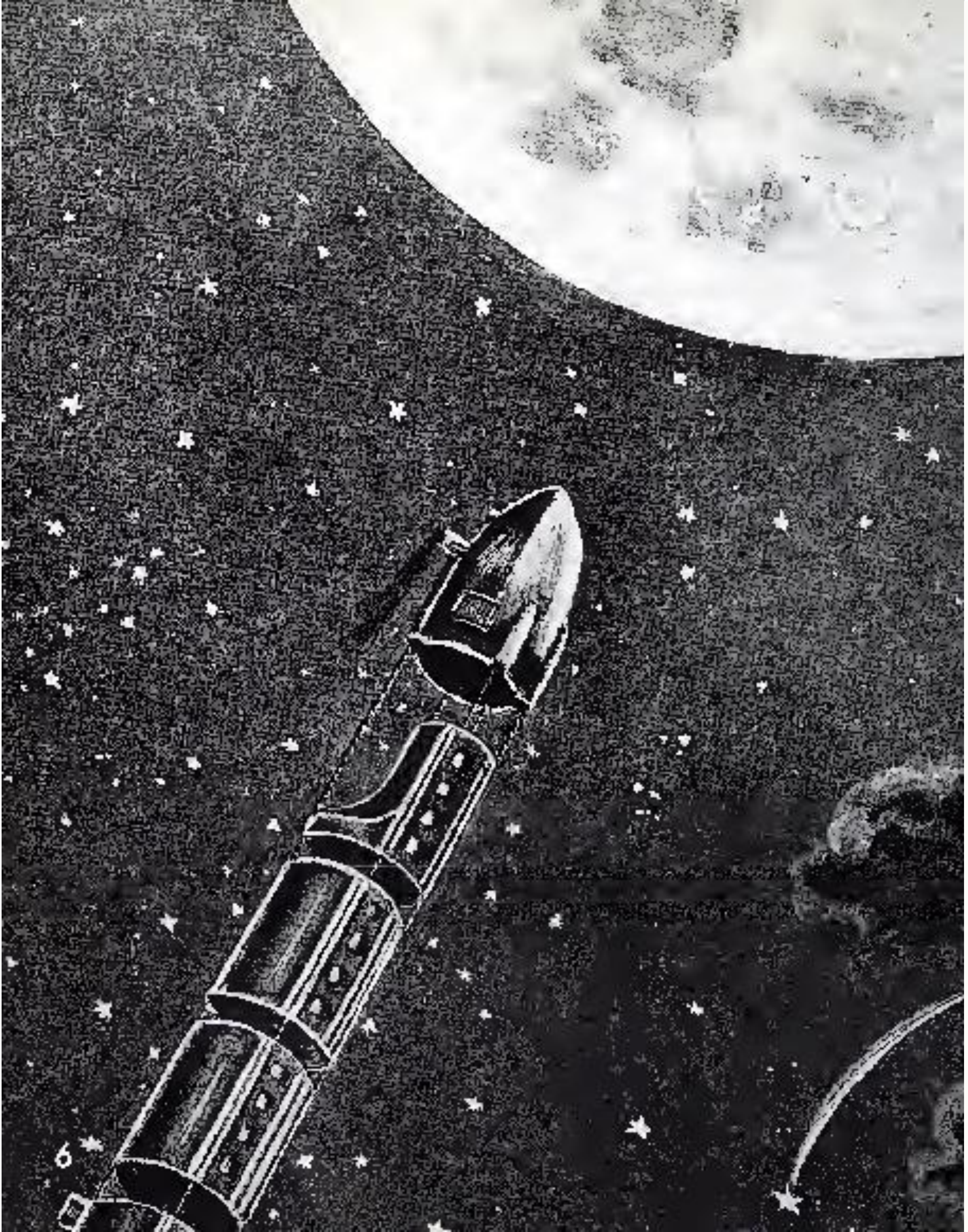

रॉबर्ट ने विज्ञान कथाओं और कहानियों में अंतरिक्ष में उड़ने वाले लोगों के बारे में पढ़ा था. शायद किसी दिन अंतरिक्ष यात्रा संभव हो? रॉबर्ट इस बात पर सोचते और अचरज करते थे.

Robert read science fiction stories about people flying into space. Robert wondered if space travel might be possible someday.

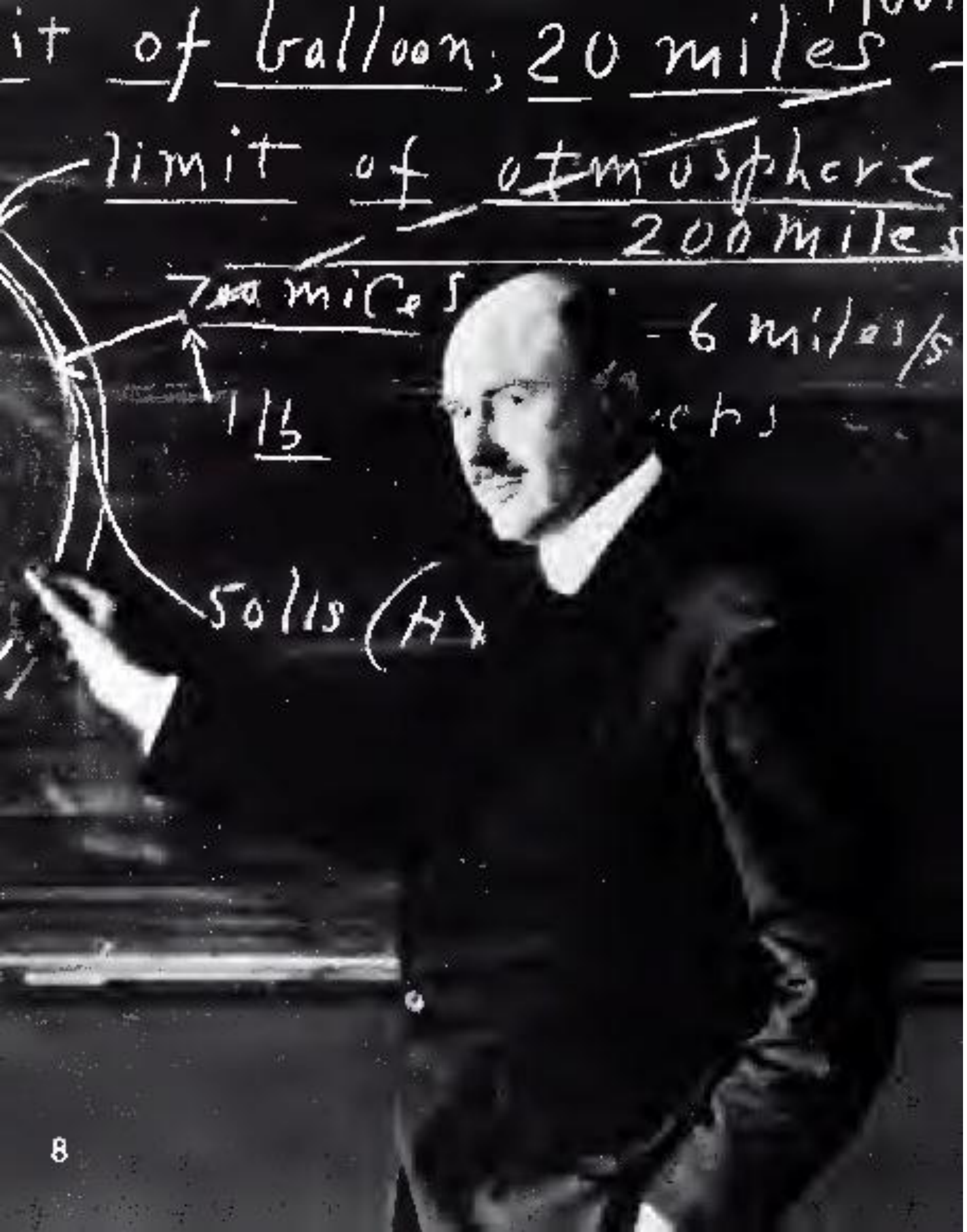

रॉबर्ट ने कई वर्षों तक विज्ञान का अध्ययन किया. 1911 में वो एक कॉलेज शिक्षक बने. उन्होंने रॉकेट के साथ भी कुछ प्रयोग भी किए. रॉबर्ट ने भिन्न-भिन्न आकार के रॉकेट और ईंधन का परीक्षण किया.

Robert studied science for many years. He became a college teacher in 1911. He also experimented with rockets. Robert tested different rocket shapes and fuels.

फिर रॉबर्ट की एस्थर फिस्क से मुलाकात हुई. रॉबर्ट और एस्थर ने 1924 में शादी की. एस्थर को रॉबर्ट के रॉकेट के काम में काफी विश्वास था.

Robert met Esther Fisk. Robert And Esther married in 1924. She believed in Robert's rocket work.

1900 की शुरुआत तक, ठोस ईंधन ही छोटे रॉकेट को ऊर्जा देते थे. रॉबर्ट ने तरल ऑक्सीजन और गैसोलीन के साथ एक नया तरल ईंधन बनाया. इस ईंधन ने रॉकेटों को अधिक शक्तिशाली बनाया.

Solid fuel powered small rocket's until the early 1900s. Robert made a liquid fuel with liquid oxygen and gasoline. This fuel made rockets more powerful.

1926 में रॉबर्ट ने पहला तरल-ईंधन का रॉकेट लॉन्च किया. रॉकेट ने प्रति घंटे 60-मील (97-किलोमीटर) की गति से यात्रा की. उसने हवा में 41-फीट (12-मीटर) की ऊंचाई तय की.

Robert launched the first liquid-fuel rocket in 1926. The rocket traveled 60-miles (97-kilometers) per hour. It traveled 41-feet (12-meters) into the air.

रॉबर्ट ने कई वर्षों तक कड़ी मेहनत की. उन्होंने ऐसे रॉकेट बनाए जो बड़े और अधिक शक्तिशाली थे. उन्होंने कई रॉकेटों का परीक्षण किया. कुछ रॉकेट ने काम किया और कुछ रॉकेट ने काम नहीं किया.

Robert worked hard for many years. He made rockets that were bigger and more powerful. He tested many rockets. Some rockets worked. Some rockets did not work.

रॉबर्ट चाहते थे कि उनके रॉकेट उपयोगी हों. 1942 में उन्होंने रॉकेट बनाने में अमेरिकी नौसेना की मदद करना शुरू की.

Robert wanted his rockets to be useful. He began to help the U.S. Navy build rockets in 1942.

1945 में रॉबर्ट गोडार्ड की मृत्यु हुई. 1959 में, अमरीकी सरकार ने रॉबर्ट गोडार्ड के नाम पर, एक अंतरिक्ष उड़ान केंद्र का नाम रखा. आज भी रॉकेट वैज्ञानिक रॉबर्ट के कई विचारों का उपयोग करते हैं.

Robert Goddard died in 1945. The government named a space flight center after Robert in 1959. Rocket scientists still use many of Robert's ideas today.

End